८. स्थायी जीवन का प्रारंभ

८.१ पशुपालन एवं कृषि का प्रारंभ ।

८.२ विशिष्ट कौशल और विविध व्यवसाय ।

८.३ पारस्परिक सहयोग पर आधारित जीवन ।

८.४ आवासों की संरचना ।

८.५ गाँव, रिश्ते-नाते और परिवार ।

८.१ पशुपालन एवं कृषि का प्रारंभ

पशुपालन : कुत्ते, भेड़-बकरियाँ, गाय, बैल, भैंस आदि पालतू पशु मनुष्य के लिए अनेक प्रकार से उपयोगी होते हैं । मनुष्य द्‌वारा किसी पशु को पालतू बनाए जाने की प्रक्रिया के तीन प्रमुख चरण हैं ।

१. वन्य पशुओं को पकड़कर बंदी बनाना ।

२. उन पशुओं को मनुष्य के साथ रहने की आदत डालना ।

३. उनसे दूध जैसे पदार्थ प्राप्त करना और परिश्रम के कार्य करवा लेना ।

ऊपरी तीन चरणों में से जब मनुष्य तीसरा चरण साध्य कर लेता है तब उसे 'पशुपालन' कहते हैं ।

हमने छठे पाठ में देखा है कि मध्याश्मयुगीन मनुष्य ने कुत्ते को पालतू बना लिया था । मनुष्य द्‌वारा पालतू बनाया गया पहला प्राणी कुत्ता है । शिकार के समय मनुष्य कुत्ते की सहायता लेता था । कुत्ते के बाद भेड़-बकरियाँ पालतू बनती गईं ।

कृषि : लगभग ग्यारह हजार वर्ष पूर्व के कृषि के प्रमाण सबसे पहले इजराइल और इराक में पाए गए । कृषि को प्रारंभ करने का श्रेय स्त्रियों को दिया जाता है । स्त्रियाँ नुकीले डंडे द्‌वारा बीज बोने का काम करती होंगी । अभी भी कुछ आदिवासी जनजातियों में इस पद्‌धति द्‌वारा स्त्रियाँ बुआई करती हैं । बुआई के लिए उपयोग में लाया जाने वाला नुकीला डंडा पर्याप्त भारी- भरकम होता था; जिससे वह भूमि को गहराई तक जोत सके; इसलिए उन डंडों के बीचोंबीच छिद्रयुक्त पत्थर बिठाए जाते थे ।

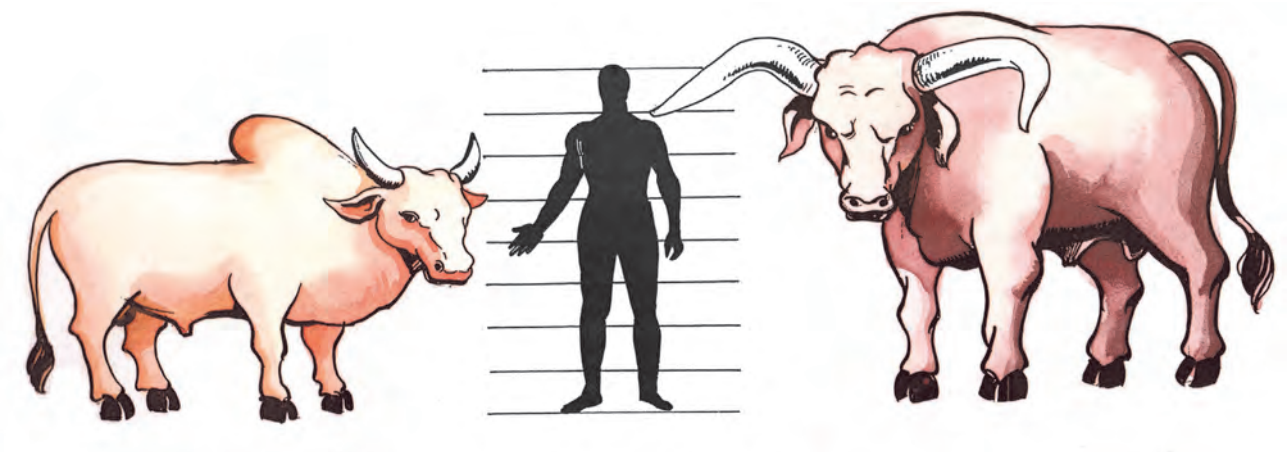

वर्तमान समय का बैल

बैलों का पूर्वज जंगली बैल का काल्पनिक चित्र

बुआई के लिए उपयोग में लाया जाने वाला नुकीला डंडा और छिद्रयुक्त पत्थर

कृषिकार्य के कारण लोगों को वर्ष की अधिकतम कालावधि में एक ही स्थान पर रहना पड़ता था; यह हमने पिछले पाठ में देखा है । पशुओं द्‌वारा खिंचे जाने वाले हलों से जुताई कार्य प्रारंभ होने के पश्चात कृषि उत्पादन

प्राचीन इजिप्त में प्रचलित हल

में वृद्‌धि हुई । खेती लोगों के जीवन निर्वाह का प्रमुख साधन बनी । खेती के उत्पादन में वृद्‌धि हो; इसके लिए लोग प्राकृतिक शक्तियों और देवी-देवताओं की आराधना करने लगे ।

नुकीले डंडे से बुआई करतीं स्त्रियाँ

कृषिकार्य, जल का वितरण और गाँव की सुरक्षा जैसे अतिआवश्यक कार्यों की व्यवस्था की जा सके; इसके लिए कृषिप्रधान समाजव्यवस्था का उदय हुआ ।

८.२ विशिष्ट कौशल और विविध व्यवसाय ।

कृषि कार्य का प्रारंभ होने से पूर्व के कालखंड में शिकार तथा इकट्‌ठे किए फल-कंदमूल द्‌वारा प्राप्त अन्न का दीर्घ समय तक संग्रह करना संभव नहीं था । फलस्वरूप तत्कालीन जीवन पद्‌धति में समूह के सभी स्त्री-पुरुष केवल अन्न प्राप्त करने के कार्य में लगातार व्यस्त रहते थे । कृषि के कारण स्थिरता प्राप्त हुई । दीर्घ समय तक अनाज का संग्रह करना संभव हुआ । इससे समूह के सभी की आवश्यकताएँ पूर्ण होती थीं और बहुत सारा अनाज बचा रहता था । फलस्वरूप नवीन बातों की खोज करके स्वयं की कल्पना शक्ति के आधार पर नए कौशलों को विकसित करने हेतु समूह के कुछ स्त्री-पुरुषों को पर्याप्त समय मिलने लगा ।

ऐसे कौशल प्राप्त मनुष्यों को वे कार्य सौंपे गए; जो उनके विशिष्ट कौशलों पर आधारित थे । अतः मिट्टी के बरतन, मनके बनाने वाले जैसे कार्मिक निर्मित हुए । माना जाता है कि नवाश्मयुगीन कालखंड के मिट्टी के बरतन और मिट्टी की वस्तुएँ परिवार की स्त्रियों ने अपने हाथों से बनाई हुई थीं ।

हाथों से मिट्टी के बरतन बनाने वाली स्त्री

८.३ पारस्परिक सहयोग पर आधारित जीवन

अब गाँव के किसान अपनी आवश्यकता से अधिक अनाज उपजाने लगे थे । कृषि के औजार बनाने, उनकी मरम्मत करने तथा अन्य कामों के लिए उन्हें कुशल व्यवसायियों की आवश्यकता थी । इन व्यवसायियों को उनके काम के पारिश्रमिक के रूप में अनाज अथवा वस्तुएँ दी जाती थीं । विविध वस्तुएँ बनाने के लिए इन व्यवसायियों को दूर से कच्चा माल लाना पड़ता था । उसका मूल्य भी अनाज और वस्तुओं के लेन-देन के रूप में अदा किया जाता था । फलतः क्रय-विक्रय हेतु विनिमय पद्धति रूढ़ हुई । जब कच्चा माल, तैयार वस्तुएँ, दैनिक उपयोग की वस्तुएँ आदि अन्य स्थानों से आयात करने की आवश्यकता अनुभव हो जाती; तब भी विनिमय की इसी पद्धति का उपयोग किया जाता था । नमक अतिआवश्यक वस्तु है । अधिकतर गाँवों को नमक बहुत दूर से लाना पड़ता था । नमक के व्यापारी नमक के बदले में प्राप्त वस्तुओं का भी व्यापार करते थे । नमक के व्यापार के कारण नवाश्म युग के व्यापार का विस्तार होने में सहायता प्राप्त हुई ।

गाँव के व्यापार और संसाधनों के वितरण की व्यवस्था सुचारु रूप से चले; इसके लिए गाँव के लोग एक-दूसरे को सहयोग दें; इस बारे में नियम बनाए गए । इन नियमों का पालन करवाने का दायित्व जिनपर सौंपा गया; उन्हें गाँव के अधिकारपद प्राप्त हुए । ऐसे अधिकारियों पर गाँव की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया । इस प्रकार गाँव की शासनव्यवस्था का उदय हुआ । नवाश्म युग के गाँवों के चारों ओर बाँधे हुए परकोटों और खंदकों के प्रमाण पाए गए हैं । ये परकोटे बाढ़, वन्य पशुओं और गाँव के बाहरी पशुचोरों से गाँव के संरक्षण हेतु बाँधे गए थे ।

८.४ आवासों की संरचना

नवाश्म युग के प्रारंभ में चिकनी मिट्टी के आवास बाँधे जाते थे । कालांतर में अनाज की विपुलता बढ़ी । फलस्वरूप जनसंख्या बढ़ी । गाँव स्थिर होते गए और फैलते गए । कुछ समय बाद कच्ची ईंटों के चौकोर मकान बाँधे जाने लगे । कुछ मकानों में एक से अधिक कमरों का निर्माण दिखाई देता है । दो मकानों के बीच में बहुत दूरी नहीं हुआ करती थी । जलवायु की स्थानीय विशेषताओं के अनुसार मकानों की संरचना में स्थानीय परिवर्तन भी दिखाई देता है ।

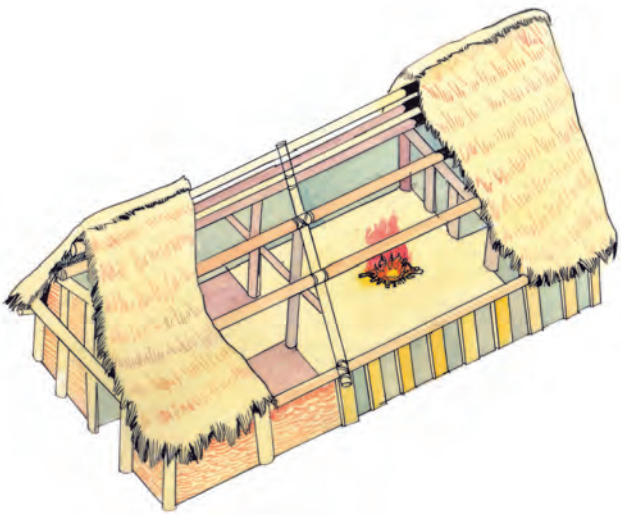

भूमि के भीतर के अवशेष और गोल खंभों के चिह्नों के आधार पर बनाए गए चौकोर मकान का काल्पनिक चित्र

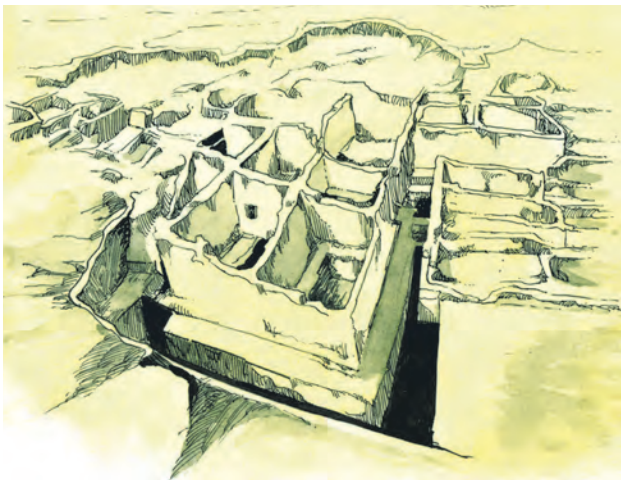

बलुचिस्तान के मेहरगढ़ की नवाश्मयुगीन बस्ती

८.५ गाँव, रिश्ते-नाते और परिवार

मकानों तथा गाँवों की संरचना के आधार पर यह अनुमान किया जा सकता है कि संपूर्ण गाँव के लोग सामान्यतः एक ही कुल के होते थे अर्थात गाँव के सभी लोग एक-दूसरे के रिश्तेदार होते थे । इस अर्थ में संपूर्ण गाँव एक फैला हुआ परिवार था । एक परिवार में रहने वाले सदस्य एक-दूसरे के निकट के रिश्तेदार थे और वे गाँव के विस्तारित परिवार के भी सदस्य थे ।

मृत व्यक्ति को मकान अथवा मकान के आँगन में दफनाते थे । परिवार से उस व्यक्ति का रिश्ता मृत्यु के बाद भी समाप्त न हो; यह उद्देश्य इसके पीछे रहा होगा । मृत्यु के बादवाले जीवन हेतु उपयोग में आएँगी; इस कल्पना से मृत व्यक्ति के साथ विभिन्न वस्तुएँ भी दफनाई जाती थीं ।

स्वाध्याय

१. कोष्ठक में से उचित पर्याय चुनकर रिक्त स्थान में लिखो :

(अ) लगभग ग्यारह हजार वर्ष पूर्व के कृषि के प्रमाण सबसे पहले इजराइल और ---- में पाए गए ।
(ईरान, इराक, दुबई)

(आ) नवाश्म युग के प्रारंभ में -------- मकान बनाए जाते थे ।
(मिट्टी के, ईंटों के, चिकनी मिट्टी के)

२. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो :

(अ) मनुष्य द्वारा किसी पशु को पालतू बनाए जाने की प्रक्रिया के तीन प्रमुख चरण कौन-से हैं ?

(आ) समूह के स्त्री-पुरुषों में से कार्मिकों का निर्माण किस प्रकार हुआ ?

३. संकल्पना चित्र बनाओ :

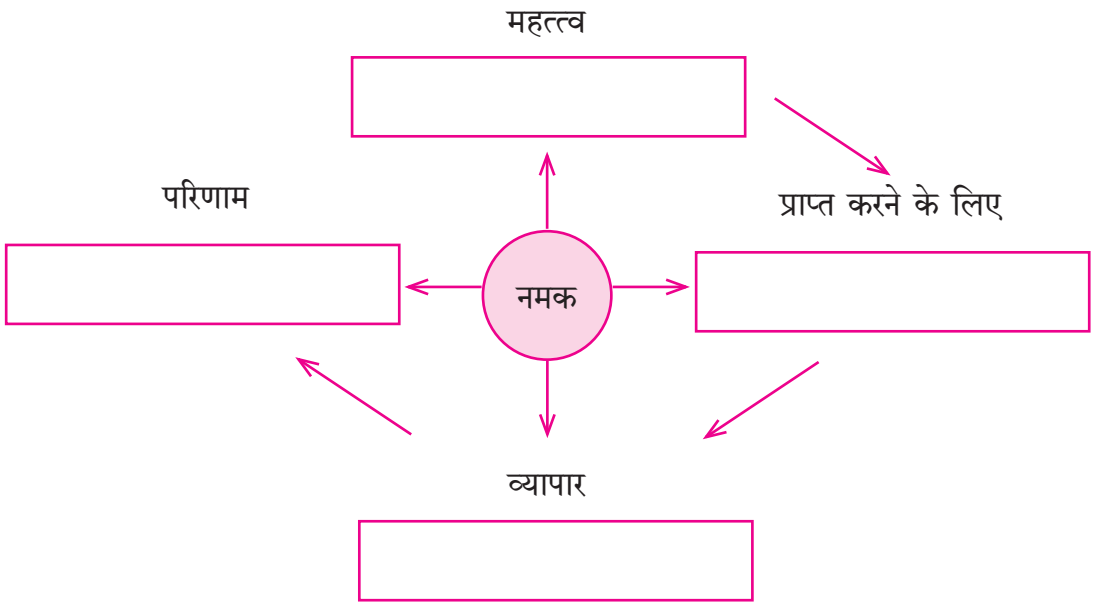

४. किन्हीं पाँच पालतू पशुओं की उपयोगिता लिखो ।

५. वर्तमान समय में पुलिस विभाग में किस प्राणी का उपयोग किया जाता है और किस प्रकार ?

उपक्रम :

अपने परिसर के पाँच विभिन्न व्यवसायियों की दुकानों पर जाओ और उनके कार्यों की जानकारी प्राप्त करो ।

❑❑❑